A–0353

Total Pages : 5 **Roll No. .....**

MAPS-601

MA Political Science (MAPS)

(Indian Political Thought-I)

भारतीय राजनीतिक चिंतन-I

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Evaluate Indian liberal political thought in the context of the ideas of Gopal Krishana Gokhale.

   गोपालकृष्ण गोखले के विचारों के परिपेक्ष्य में भारतीय उदारवादी राजनीतिक चिन्तन का मूल्यांकन कीजिए।

2. Mention the functions and powers of the king in the theory of state propounded by Kautilya.

   कौटिल्य द्वारा प्रतिपादित राज्य के सिद्धांत में राजा के कार्यों एवं शक्तियों का उल्लेख कीजिए।

3. Review the political and economic ideas of Raja Ram Mohan Roy.

   राजा राम मोहन राय के राजनीतिक एवं आर्थिक विचारों की समीक्षा कीजिए।

4. Mention the main sources of Indian political thought.

भारतीय राजनीतिक चिन्तन के प्रमुख श्रोतों का उल्लेख कीजिए।

5. Mention the role of Bal Gangadhar Tilak in Indian freedom struggle and the relevance of his ideas in the present.

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बालगंगाधर तिलक की भूमिका एवं वर्तमान में उनके विचारों की प्रासंगिकता का उल्लेख कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Mention the philosophical basis of Raja Ram Mohan Roy's thinking.

राजा राम मोहन राय के चिन्तन के दार्शनिक आधारों का उल्लेख कीजिए।

2. Mention the justice and punishment system propounded by Manu.

मनु द्वारा प्रतिपादित न्याय एवं दण्ड व्यवस्था का उल्लेख कीजिए।

3. Evaluate the contribution of Swami Dayanand Saraswati to Indian political thought.

भारतीय राजनीतिक चिन्तन में स्वामी दयानन्द सरस्वती के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

4. "Manu is the father of Indian system of government Review this statement.

मनु भारतीय शासन व्यवस्था के जनक है इस कथन की समीक्षा कीजिए।

5. Analyse the social and political ideas of Swami Dayanand Saraswati.

स्वामी दयानन्द सरस्वती के सामाजिक एवं राजनीतिक विचारों का विश्लेषण कीजिए।

6. Mention the main dimensions of ancient Indian political thought.

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन के प्रमुख आयामों का उल्लेख कीजिए।

7. Write a short notes on any *two* of the following :

(a) Religions tolerance of Raja Ram Mohan Roy.

(b) Manu's ideal state.

(c) Characteristics Indian political thought

निम्न में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) राजा राम मोहन राय की धार्मिक सहिष्णुता

(ब) मनु का आदर्श राज्य

(स) भारतीय राजनीतिक चिन्तन की विशेषता

8. Explain Kautilya's concept of ideal state.

कौटिल्य की आर्दश राज्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

****